सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 320 | इंदौर, मंगलवार 30 मई, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

Headline

1. 'सीमा पर सैनिक नहीं बढ़ा रहा चीन': CDS चौहान बोले- डेपसांग और डेमचोक को छोड़ सभी हिस्से हमारे नियंत्रण में
2. Maharashtra: 22 विधायक, नौ सांसद शिंदे की शिवसेना छोड़ना चाहते हैं, उद्धव ठाकरे की पार्टी का बड़ा दावा
3. China: चीन ने लॉन्च किया अपना अंतरिक्ष मिशन शेनझोउ-16, तीन अंतरिक्ष यात्रियों को भेजा स्पेस
4. Maharashtra: महाराष्ट्र में कांग्रेस के इकलौते सांसद बालू धानोरकर का निधन, दिल्ली के अस्पताल में ली अंतिम सांस
5. Delhi Murder Case: शरीर पर चाकू के मिले हैं 16 घाव... खोपड़ी भी टूटी पाई गई, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुआ खुलासा
6. मोदी सरकार के नौ साल: आज से शुरू होगा भाजपा का विशेष जनसंपर्क अभियान, जनता से विकास के मुद्दों पर होगी चर्चा
7. New Delhi: कंबोडिया के राजा को राष्ट्रपति भवन में मिला गार्ड ऑफ ऑनर, PM मोदी और अन्य मंत्रियों से की मुलाकात

एम्स की रिसर्च में चौंकाने वाला खुलासा

खुदकुशी करने वालों में 77 प्रतिशत डिप्रेशन के शिकार

लेकिन 96 प्रतिशत केस में परिजनों को इस बारे में पता ही नहीं था

उपयोगी साबित होगी रिसर्च

"मनोवैज्ञानिक ऑटोप्सी रिसर्च से खुदकुशी से संबंधित बेहद महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी सामने आई है। डिप्रेशन, नशे की लत आदि से बार-बार खुदकुशी की कोशिशों का पता चला है। ये रिसर्च खुदकुशी के मामलों को कम करने में उपयोगी साबित होगी।

-डॉ. अरनीत अरोरा, एचओडी, फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी डिपार्टमेंट, एम्स

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। खुदकुशी करने वालों में अधिकांश लोग डिप्रेशन का शिकार होते हैं। यही नहीं, खुदकुशी करने वालों में आधे से भी ज्यादा लोगों को किसी न किसी तरह के नशे की लत होती है। यह खुलासा एम्स की ओर से की गई रिसर्च में हुआ है। रिसर्च में पाया गया कि खुदकुशी करने वालों में 77 प्रतिशत लोग डिप्रेशन का शिकार रहे।

ऐसे केसों में 96 प्रतिशत के परिजनों को उनके डिप्रेशन में होने का पता ही नहीं था। वहीं 51प्रतिशत केसों में खुदकुशी करने वालों को किसी न किसी तरह के नशे की लत थी। रिसर्च में कहा गया है कि डिप्रेशन को लेकर लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं है। आईसीएमआर के सहयोग से हुई यह रिसर्च हाल ही में पबमेड इंडेक्स्ड जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंसेज इन रूरल प्रैक्टिस में प्रकाशित हुई है।

● 37 फीसदी ने दूसरी-तीसरी बार में दी जान

2022 से 2023 के बीच एम्स में आए खुदकुशी के मामलों में यह रिसर्च की गई है। इसमें यह भी सामने आया कि पहली बार में असफल रहे 37 प्रतिशत लोगों ने दूसरी या तीसरी बार की कोशिश में खुदकुशी की। यही नहीं खुदकुशी करने वालों में 79 प्रतिशत लोगों की उम्र 19 से 40 वर्ष के बीच रही। कोरोना के बाद हुई इस रिसर्च में खुलासा हुआ है कि 77त्न मामलों में लोग एक से अधिक कारणों से डिप्रेशन से जूझ रहे थे। 14 प्रतिशत लोग ऐसे थे जिन्होंने नौकरी जाने, प्यार में सफल नहीं होने या फिर अन्य पारिवारिक कारणों से खुदकुशी की।

● यह था रिसर्च का तरीका

रिसर्च करने वाली टीम में शामिल रहीं फॉरेंसिक मेडिसिन डिपार्टमेंट की प्रोफेसर डॉ. जयंती यादव की मानें तो रिसर्च के लिए मनोचिकित्सक डॉ. अभिजीत रामदास के साथ मिलकर क्लोज-एंडेड प्रश्नावली बनाई। इसे मृतक के परिजनों से भरवाया गया। इस प्रश्नावली में मृतक की मनोदशा, नौकरी, परिवार की स्थिति से जुड़े जैसे सवाल शामिल रहे। इनके जवाब के आधार पर रिसर्च की गई। यह रिसर्च 35 लोगों पर की गई।

● रिसर्च टीम में ये लोग शामिल रहे

डॉक्टर दिव्य भूषण, डॉक्टर संगीता मोइरंगथेम और डॉक्टर अरनीत अरोरा।

जिंसी चौराहा से लक्ष्मीबाई प्रतिमा तक 80 फीट चौड़ी सड़क के टैंडर प्रक्रिया पूरी

● वर्तमान में अभी केवल 30 फीट तक ही सड़क चौड़ी है, हमेशा लगता है वाहनों का जाम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। वीआइपी रूट से लगे एक रोड और पुल को नगर निगम चौड़ा करने जा रहा है। जिंसी चौराहा से लक्ष्मीबाई प्रतिमा तक 80 फीट चौड़ा बनने वाली इस रोड को लेकर बुलाए गए टेंडर आज खुलेंगे। पुल निर्माण के लिए बुलाए गए टेंडर अगले महीने जून में आएंगे और खुलेंगे।

सुगम यातायात और वाहन चालकों की सुविधाओं की देखते हुए शहर की करी रोड को चौड़ा किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी कंपनी और निगम योजना शाखा सड़क चौड़ीकरण का काम कर रही है। इसके चलते मास्टर प्लान 2021 के अनुसार बीआइपी रूट से लगी जिंसी चौराहा से किला मैदान तिराहा (रानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा) तक 80 फीट चौड़ी सड़क बनाने को लेकर टेंडर पिछले दिनों जारी किए गए टेंडर आ गए हैं जिन्हें खोला जाएगा। इसमें निर्माण एजेंसी तय होते डी निगम जल्द ही रोड का काम शुरू करेगा, लाख रुपए खर्च होंगे। क्योंकि रोड की नपती करने के साथ मकानों पर तोड़फोड़ के निशान निगम लगा चुके है। इधर, रोड चौड़ीकरण के साथ निगम लक्ष्मीबाई प्रतिमा से जिंसी चौराहा (सुभाष मार्ग) को जोड़ने वाले मार्ग में नाले के ऊपर बने पुल को भी तोड़कर बनाएगा। पुल निर्माण को लेकर बुलाए गए टेंडर अगले महीने 15 जून को खुलेंगे और 3 करोड़ 85 लाख रु खर्च होंगे।

अभी 30 फीट तक है चौड़ा

बड़ा गणपति को तरफ से आने वाले जिंसी चौराहा और रामबाग की तरफसे आने वाले वाहन जिंसी चौराहा रोड से रानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा होते हुए किला मैदान, 60 फीट रोड एयरपोर्ट महेश गार्ड लाइन कुशवाह नगर और मरीमाता, बाणगंगा की तरफ जाने के लिए इस रोह का उपयोग करते हैं। अभी रोड की चौड़ाई लगभग 30 फोट ही चौड़ी है। वाहनों का दबाव अधिक होने से बार-बार ट्रैफिक जाम होता रहता है। वाहन गुत्थमगुत्था होते रहते है। इसीलिए निगम ने रोड को चौड़ा करने का फैसला लिया है ताकि यातायात सुगम हो जाए और राहगीर के साथ रहवासियों को भी राहत मिले सके।

65 लोगों को दिए हैं नोटिस

निगम ने जिंसी चौराहा से रानी लक्ष्मीबाई बाई प्रतिमा तक सितंबर 2022 में नपती कर 65 लोगों को तोड़फोड़ के नोटिस थमाए है। इसके बाद से ही लोग रोड की चौड़ाई को लेकर विरोध में उत्तर आए ऐसे में निगम को काम करने में कई परेशानियों का सामना करना पड़ेगा जिंसी चौराहा से लक्ष्मीबाई प्रतिमा पुलिया तक सड़क चौड़ीकरण पर निगम साढ़े 4 करोड़ रुपए से अधिक खर्च करेगा। दरअसल यह रोड पहले स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बनाने पर विचार चल रहा था, लेकिन अब इसे निगम का जनकार्य विभाग बनाएगा।

प्रभु श्रीराम की तरह हमारे ह्रदय में भी पवित्र संकल्पों का अंकुरण होना चाहिए : पं. सत्यदेव

खाटू श्याम मंदिर के रजत जयंती महोत्सव में रामकथा जारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। दुर्लभ मनुष्य जीवन हमें सदभाव, परमार्थ, सेवा और करुणा जैसे संकल्पों के लिए मिला है, न कि पशुओं की तरह आचरण करने के लिए। प्रभु श्रीराम की तरह हमारे ह्रदय में भी पवित्र संकल्पों का अंकुरण होना चाहिए। राम तो भारत भूमि की आत्मा है । राम के बिना भारत भूमि की कल्पना भी नहीं की जा सकती। राम और श्याम जैसे अवतारों ने ही हर युग में दुष्टों का विनाश किया है। खाटू वाले श्याम बाबा कलियुग के ऐसे देव हैं, जो हर भक्त पर, हर क्षण अपनी कृपा दृष्टि कर जीवन जीने का हौसला देते हैं।

एयरपोर्ट रोड, अंबिकापुरी स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर के रजत जयंती महोत्सव में राम कथा मर्मज्ञ आचार्य पंडित सत्यदेव शर्मा ने महामंडलेश्वर स्वामी रामगोपाल दास के सानिध्य में ऐसी अनेक बातें कहीं। व्यासपीठ का पूजन विजय कालानी, विनोद मित्तल, पवन रामदास, कैलाश साबू, बाबूलाल वर्मा, हीरालाल कुमावत, सुमन शर्मा, रोशन कुमावत, जितेंद्र चौहान आदि ने किया। कथा में आज राम -जानकी स्वयंवर का उत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। इसके पूर्व भगवान राम के बाल्यकाल और विश्वामित्र द्वारा शिक्षा- दीक्षा का भावपूर्ण चित्रण भी किया गया। कथा में मनोहारी भजनों पर भक्तों के नाचने -गाने का क्रम पहले दिन से ही चल रहा है। महंत नीलू बाबा ने बताया कि मुख्य महोत्सव निर्जला एकादशी 31 मई को मनाया जाएगा।

तूलिका ने 14 महिला चिकित्सकों एवं 50 अन्य महिलाओं को सम्मानित किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कला,शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संस्था तूलिका ने जाल सभागृह में आयोजित एक गरिमामय समारोह में 14 महिला चिकित्सकों को एवम 50 ऐसी महिलाओं को सम्मानित किया जिनकी केवल एक या 2 बेटियां है। मुख्य अतिथि थी पदम श्री डॉ. लीला जोशी, डॉ. करिश्मा प्रधान, डॉ. विनीता कुमार,रेखा पंडित, विनीता कोठारी और सुलोचना रावत। यह जानकारी देते हुए तूलिका की निदेशक श्रीमती विनीता त्रिवेदी ने कहा कि कार्यक्रम का मकसद बालिकाओं को सम्मान मिले और समाज में जागरूकता बढ़े। केवल एक लड़की रखना और लड़के की लालसा नही रखना बड़ा कठिन निर्णय है। प्रवीण जोशी ने बताया की तूलिका की ओर से आयोजित श्रीमती एम पी 2024 के प्रतिभागियों के आडिशन भी लिए गए। स्वागत विनीता त्रिवेदी और कामाक्षी पालीवाल ने किया। कार्यक्रम का संचालन किया डॉ. ज्योति गुप्ता ने । आभार माना प्रीति अय्यर ने।

कांग्रेस का महिलाओं पर फोकस, पिंक वचन पत्र में प्रियंका गांधी करेंगी वादे

● 12 जून को प्रियंका जबलपुर आएंगी. और करेंगी चुनाव अभियान की शुरुआत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एमपी में आनेवाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस जबर्दस्त रणनीति के साथ काम कर रही है। कांग्रेस अपने वचन पत्र को अंतिम रूप देने में जुटी है। इस बार पार्टी का मुख्य वचन पत्र के अलावा पिंक वचन पत्र भी होगा। इसे मुख्य वचन पत्र से पहले लांच किया जाएगा। यह वचन पत्र कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी लांच करेंगी।

प्रियंका गांधी 12 जून को जबलपुर आ रही हैं, लेकिन इससे पहले मप्र में उनका एक और दौरा होगा। प्रियंका के इसी दौरे में पिंक वचन पत्र लांच करने का प्लान है। विस चुनाव में सभी वर्गों का ध्यान रखने के साथ कांग्रेस का महिलाओं पर भी फोकस है। पिंक वचन पत्र इसी की कड़ी है।

महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रुपए, 500 रुपए में गैस सिलेंडर जैसे वादे- पिंक वचन पत्र में महिलाओं से किए जाने वाले वचन शामिल होंगे। नारी सम्मान योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रुपए, 500 रुपए में गैस सिलेंडर जैसे वादे भी शामिल होंगे। इतना ही नहीं, कांग्रेस नारी सम्मान योजना लांच करने के साथ महिलाओं से आवेदन भी ले रही है। पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष व पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में गठित वचन पत्र समिति मुख्य पत्र को अंतिम रूप देने में जुटी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ पुरानी पेंशन बहाली, किसान कर्ज माफी, 100 यूनिट बिजली माफ और 200 यूनिट बिजली के बिल को आधी करने का वादा पहले ही कर चुके हैं। वादा किया जा रहा है कि कांग्रेस सरकार बनने पर इन्हें पूरा किया जाएगा। बताते हैं, कांग्रेस के पिटारे में कई बड़े वादे भी हैं, समय-समय पर कमलनाथ इसे सभाओं और रोड शो में आमजन से करेंगे।

गोंदवले धाम का स्थापना दिवस मनाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। आध्यात्मिक उपासना केंद्र गोंदवाले धाम 24 वां स्थापना दिवस अत्यंत भक्ति भाव और उल्लास के साथ रविवार को मनाया गया। देश विदेश से जुड़े हुए भक्तो ने गोंदवले धाम में अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। दर्शन एवम् माला जाप के लिए प्रातः 6 बजे से देर शाम तक भक्तो का तांता लगा रहा। प्रत्येक रविवार को होने वाली उपासना में भी विशेष उत्साह समाहित रहा। 13 घंटे के सतत नामस्मरण, साप्ताहिक उपासना और महाप्रसाद के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। केबिनेट मंत्री उषा ठाकुर ने वीडियो कॉल द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की। विधायक जीतू पटवारी और सत्यनारायण पटेल भी उपासना में शामिल हुए।

कटाक्ष

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इंदौर में पावर सेक्टर की इस एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के लिए दी बधाई

इंदौर से रिमोट के जरिए राजगढ़ में पावर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

● एमपी ट्रांसको के 220 के.व्ही. सिस्टम में सफलतापूर्वक इस्तेमाल

इंदौर। एमपी ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) ने नवाचार को आगे बढ़ाते हुए इंदौर क्षेत्र में पहली बार 220 के.व्ही. वोल्टेज स्तर का 160 एम.व्ही.ए. क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर रिमोट से ऊर्जीकृत करने में सफलता प्राप्त की है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इंदौर में पावर सेक्टर की इस एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का एमपी ट्रांसको के 220 के.व्ही. सिस्टम में सफलतापूर्वक इस्तेमाल करने पर बधाई दी है ।

मध्यप्रदेश के पश्चिम क्षेत्र इंदौर में पहली बार स्काडा नियंत्रण कक्ष इंदौर से एच.एम.आई. (ह्यूमन मशीन इंटरफेस) तकनीक के सहारे 110 किलोमीटर दूर स्थित 220 के.व्ही. सब स्टेशन राजगढ़ में लगभग 9 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित नए 160 एम.व्ही.ए. क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर को रिमोट के जरिये ऊर्जीकृत किया गया है। मालवा क्षेत्र को अब तकरीबन 150 मेगावाट अतिरिक्त विद्युत उपलब्ध कराया जाना संभव होगा। राजगढ़ सब स्टेशन से जुड़े क्षेत्रों को बहुत फायदा पहुँचेगा और उपभोक्ताओं को उचित वोल्टेज पर गुणवत्तापूर्ण विद्युत का प्रदाय किया जा सकेगा।

क्या है ह्यूमन मशीन इंटरफेस तकनीक

मन मशीन इंटरफेस तकनीक में मानव और कम्प्यूटर मशीनों का उपयोग कर रिमोट से उपकरणों को नियंत्रित किया जाता है। एमपी ट्रांसको के प्रदेश में क्रियाशील तीन स्काडा कंट्रोल सेंटर में एडीएमएस के सहारे इस तकनीक का उपयोग किया जाता है

राजगढ़ जिले की ट्रांसफॉरमेशन क्षमता 5000 एम.व्ही.ए. के ऊपर

एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता पी.एस. राघव ने बताया कि इस ट्रांसफार्मर के उर्जीकृत होने से राजगढ़ जिले की ट्रांसफॉरमेशन कैपेसिटी 5000 एम.व्ही.ए. के ऊपर पहुँच गई है। राजगढ़ जिले में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी अपने 19 सब स्टेशनों से विद्युत पारेषण करती है, जिसमें 400 के.व्ही. के दो सबस्टेशन, 220 के.व्ही. के 6 सब स्टेशन तथा 132 के.व्ही. के 11 सब स्टेशन शामिल हैं। इनमें 400 के.व्ही. साइड 1575 एम.व्ही.ए., 220 के.व्ही. साइड 1920 एम.व्ही.ए. तथा 132 के.व्ही. साइड 1651 एम.व्ही.ए यानि कुल 5146 एमवीए की ट्रांसफार्मर ट्रांसफॉरमेशन कैपेसिटी विद्यमान है।

तकलीफ उतनी ही दो, जितनी सहन कर पाओ...

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **भाजपा नेता छोटी-छोटी बातों पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज कराने की कोशिश कर रहे हैं। हमारा पुलिस-प्रशासन से निवेदन है कि अगर इस प्रकार की शिकायत आती है तो पहले उसकी विधिवत रूप से जांच होनी चाहिए।**

उसके बाद ही किसी प्रकार का मुकदमा दर्ज होना चाहिए। भाजपा की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। दो-तीन महीने की सरकार बची है। भाजपा के नेता और कार्यकर्ताओं को भी सोचना चाहिए की तकलीफ उतनी ही दो, जितनी सहन कर पाओ। हम लोग तो पंद्रह साल से सहन करते-करते आगे बढ़ रहे हैं। सवा साल की सरकार थी, सब को समझ में आ गया था। इधर से उधर भाग रहे थे सब। तीन महीने बाद कमलनाथ जी की सरकार बन रही है। कुछ ऐसा मत करो की भागना ही भागना पड़े। नफरत इतनी मत पैदा करो की हम लोग भी कुछ करने के लिए मजबूर हो।" ये कहना है कांग्रेस नेता और नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे का। पिछले दिनों भाजपा महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा द्वारा कांग्रेस नेताओं पर दर्ज करवाई गई एफआईआर के विरोध में सोमवार को कांग्रेसी पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर से मिलने पहुंचे।हमारे नेता भाजपा महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष के घर गए थे। फोटो देखें तो पता चलेगा की अच्छे माहौल में सब कुछ हुआ है। उनसे निवेदन किया गया कि आने वाले समय में कांग्रेस की सरकार बन रही है, इस योजना का लाभ लें। उन्होंने फॉर्म लिया, फोटो खिंचवाया। उन्हें फॉर्म नहीं लेना था तो गेट से ही रवाना कर देती। भाजपा के बड़े नेताओं में नफरत चूर-चूर के भरी है। जिस पार्टी के नेता नरेंद्र मोदी जैसे हैं, जिनमें सिर्फ नफरत भरी है। पार्टी के नीचे के नेता भी नफरत लेकर चल रहे हैं। ये नफरत ही इंदौर शहर के अच्छे राजनीतिक माहौल को खराब करने की कोशिश कर रही है। पिछले साल डेढ़ साल से ये देखने में आया है कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं पर बिना वजह झूठे मुकदमे बार-बार दर्ज हो रहे हैं। दो नंबर विधानसभा में झूठे केस दर्ज हुए, उनमें खात्मा भी हुआ। महिलाओं के लिए कांग्रेस की नारी सम्मान योजना को लेकर कार्यकर्ता घर-घर जा रहे हैं। वोट मांगने के लिए भी कार्यकर्ता घर-घर जाते है। हम ये नहीं देखते हैं कि भाजपा के नेता-कार्यकर्ता का घर है, उसके यहां नहीं जाना है। सभी के घर जाते हैं। चाय नाश्ता करते हैं। एक-दूसरे के खिलाफ कैंपेन भी करते हैं लेकिन नफरत वाली भावना नहीं रहती है।

पंडित प्रदीप मिश्रा और बागेश्वर धाम को धर्म की दुकान बोलकर पलट गए कांग्रेस विधायक सज्जन वर्मा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक सज्जन सिंह वर्मा ने सीहोर के पंडित प्रदीप मिश्रा और बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री पर सोमवार सुबह एक बयान दिया और बाद में वे विरोध के चलते उससे पलट गए। उन्होंने माफी मांगते हुए कहा इन दोनों के प्रति में बेहद श्रद्धा रखता हूं मेरे बयान के दौरान शब्दों का संयोजन सही नहीं था। सज्जन सिंह वर्मा का यह बयान सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हो रहा है और लोग इसे बागेश्वर धाम और प्रदीप मिश्रा का अपमान बता रहे हैं।देवास की सोनकच्छ विधानसभा क्षेत्र के गांव जिरवाय में भागवत कथा चल रही है। सज्जन सिंह वर्मा यहीं से विधायक भी हैं। उन्होंने यहां मंच से कहा कि धर्म की भी अब दुकानें खुल गई हैं। पहले छोटी दुकानें होती थी, अब बड़ा जनरल स्टोर खुल गया। धीरेंद्र शास्त्री बाबा बागेश्वर धाम वाला और एक सीहोर वाले प्रदीप मिश्रा ने बड़ी दुकानें खोल ली हैं।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधायक सज्जन सिंह वर्मा ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि 'मैं संत कथावाचक श्रीराम कृष्ण उपाध्याय जी के आदेश से उनकी प्रेरणा से और उनके धर्म मंच से कहे शब्दों के लिए खेद व्यक्त करता हूं

महाकाल महालोक में क्षतिग्रस्त मूर्तियां दो सप्ताह में फिर से लगाई जाएंगी

● प्रभारी मंत्री ने किया दौरा, कांग्रेस विधायक बोले- खोखली मूर्तियां लगाई, स्मार्ट सिटी कार्यालय का घेराव किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। रविवार को तेज आंधी के दौरान महाकाल महालोक में छह मूर्तियों के गिरकर खंडित होने के मामले में आरोप-प्रत्यारोप के बीच सोमवार को प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने महाकाल महालोक का निरीक्षण किया और कहा कि दो सप्ताह के भीतर मूर्तियां फिर से स्थापित कर दी जाएंगी।

जरूरत पडने पर नई मूर्तियां भी बनेंगी

उन्होंने कहा कि मूर्तियों का संधारण होगा और जरूरत पड़ने पर नई मूर्तियां भी बनाई जाएंगी। रविवार देर शाम तक खंडित मूर्तियां हटाने का कार्य हुआ। इसके बाद सोमवार सुबह से दर्शनार्थियों को फिर से महालोक में प्रवेश दिया गया।

कांग्रेस नेताओं ने धरना दिया

इस बीच कांग्रेस इस मुद्दे पर मुखर है। सोमवार को कांग्रेस नेताओं ने स्मार्ट सिटी कंपनी कार्यालय पर धरना दिया। तराना विधायक महेश परमार ने कहा कि पाषाण, धातु की मूर्तियां लगानी थीं। मगर मध्य प्रदेश सरकार ने भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए फाइबर रेनफोर्स प्लास्टिक (एफआरपी) की खोखली मूर्तियां स्थापित करा दीं। लोगों की आस्था आहत हुई है। हमारी सरकारी बनी तो इसकी उच्चस्तरीय जांच करवाकर दोषियों को कड़ी सजा दिलवाएंगे।

अब सभी मूर्तियों की तकनीकी जांच

इधर सुबह उज्जैन आए प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि अब सभी मूर्तियों की तकनीकी जांच कर उनका सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। प्राकृतिक आपदा पर किसी का बस नहीं है। इस पर अनर्गल राजनीति नहीं करना चाहिए। गत दिवस आए आंधी-तूफान में 50 साल पुराने वृक्ष तक उखड़कर गिर गए। आंधी-तूफान में महाकाल लोक में स्थापित किये गये सप्तऋषि मण्डल की मूर्तियां गिर गई, जबकि अन्य मूर्तियां इससे प्रभावित नहीं हुईं।

जांच रिपोर्ट अफसरों से तलब की

प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने मामले की जांच रिपोर्ट अफसरों से तलब की। मूर्ति बनाकर स्थापित करने वाले ठेकेदार को यथाशीघ्र बुलाकर मूर्तियां नए सिरे से स्थापित कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय भाजपा नेता साथ थे। सुबह गृह मंत्री ने भोपाल में कहा कि मूर्तियां गारंटी पीरियड में हैं। इसलिए ठेकेदार द्वारा फिर से लगाई जाएंगी।

अन्य मूर्तियों में भी खामियां दिखीं

आंधी के दौरान सप्त ऋषियों की मूर्तियों में छह की मूर्तियां गिरकर खंडित हो गई हैं। अन्य मूर्तियों को भी नुकसान पहुंचा। महालोक में कमल तालाब में स्थापित शिव की विशाल मूर्ति का पेंट भी उखड़ गया है। दाग दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा त्रिपुरासुर संहार दृश्य की मूर्ति के रथ में भी दरार देखी गई है।

मृत बच्चे का इलाज कर रहे थे डॉक्टर

पिता बोला- 11 महीने के बेटे की बहुत पहले मौत हो गई थी, अस्पताल का स्टाफ दवाएं मंगाता रहा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर। अक्षय कुमार की मूवी गब्बर इज बैक में अस्पतालों की भ्रष्ट व्यवस्था पर एक सीन है। इसमें दिखाया गया है कि मरीज की मौत के बावजूद डॉक्टर उसका इलाज जारी रखते हैं। रील से हटकर रियल लाइफ में कुछ ऐसा ही जबलपुर के आयुष्मान हॉस्पिटल में हुआ है। इस अस्पताल के स्टाफ पर आरोप लगे हैं कि बच्चे की मौत के बाद भी डॉक्टर उसका इलाज करते रहे।

11 महीने के इस बच्चे की मौत को लेकर परिवारवालों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर ओमती थाने से पुलिस मौके पर पहुंची। परिवार को समझाया, तब जाकर मामला शांत हुआ। उधर, अस्पताल प्रबंधन ने इन आरोपों को गलत बताया है।

● 90 हजार खर्च करने के बावजूद नहीं सुधरी हालत

मंडला निवासी शमशीर अली के 11 माह के बच्चे आशियान को तीन दिन पहले बुखार आया था। उन्होंने मंडला जिला अस्पताल में बच्चे का इलाज कराया। हालत में कोई सुधार नहीं हुआ तो शमसीर उसे लेकर शनिवार दोपहर को जबलपुर आ गए। यहां रसल चौक स्थित आयुष्मान अस्पताल में आशियान को भर्ती करा दिया। इलाज पर करीब 90 हजार रुपए खर्च करने के बावजूद आशियान की हालत नहीं सुधरी तो परिजन ने डॉक्टर से उसे मेडिकल अस्पताल ले जाने की बात कही। उनका आरोप है कि डॉक्टर का कहना था कि आपका बच्चा जल्दी ठीक हो जाएगा, बस आप पैसों का इंतजाम करते रहिए और दवाइयां लाते रहिए।

आंधी तूफान से धार में मेले का टेंट उड़ा

● दीवार गिरने से पांच लोगों को चोट आई, बिजली व्यवस्था भी गड़बड़ाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

धार। मौसम में हुए अचानक बदलाव का असर जिले में भी देखने को मिला। रविवार रात के समय तेज हवा आंधी चली। जिसके कारण काफी नुकसान हुआ है। हवा की गति अधिक होने के कारण तीन स्थानों पर दीवार भी गिरी, जिसमें पांच लोगों को चोट आई है। घायलों को रात में ही परिजन धार जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पर सभी को प्राथमिक उपचार दिया गया है।

इधर रात में डेढ़ घंटे चली तेज हवा के कारण कई पेड़ भी धरासाई हो गए। वहीं रात में बिजली भी गुल हो गई थी। कुछ पेड़ विद्युत लाइन पर भी गिरे, जिसके कारण भी सप्लाई बाधित रही। सोमवार सुबह भी शहर की कई कॉलोनियों में लाइट नहीं थी।

मौसम विभाग के वैज्ञानिक एचएस पांडे के अनुसार 28 मई से नया डिस्टबेंस आने के कारण सिस्टम और मजबूत हुआ है। इसी कारण तेज हवाएं चल रही हैं। अगले दो दिन इसी प्रकार का मौसम बना रहेगा। रविवार रात में आए आंधी तूफान के बाद सोमवार सुबह से ही आसमान में बादलों का डेरा लगा हुआ है। इसके कारण दिन के तापमान में कोई ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई। नौतपा शुरू हुए पांच दिन बीत चुके हैं, किंतु तापमान 40 डिग्री के नीचे ही बना हुआ है।

मेले में हुआ नुकसान

शहर के उदय रंजन क्लब मैदान में अनंत जीवन सेवा एवं शोध समिति इंदौर के माध्यम से कला एवं शिल्प को लेकर धार उत्सव के रूप में मेला लगा हुआ है। रविवार रात में आए आंधी तूफान के कारण इस मेले में काफी नुकसान हो गया। मेले में करीब 45 से अधिक दुकानें लगी हुई हैं, हवा चलने के कारण टेंट व पतरे उड़ गए थे।

हालांकि रात में ही दुकानदारों ने बचाव के लिए सामान हटाना शुरू कर दिया था, इसके कारण सामान को नुकसान कम हुआ। किंतु दुकानें पूरी तरीके से बर्बाद हो चुकी हैं। दुकान संचालक इम्तियाज अहमद ने बताया कि रात में तेज हवा चलने के कारण टीन शेड उड़ गए, सभी व्यापारियों का करीब 4 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

दीवार गिरी, पांच घायल

आंधी तूफान के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित कच्चे मकानों को भी नुकसान हुआ है। धार शहर सहित दो गांवों में घरों की दीवार गिरी हैं। अस्पताल से प्राप्त जानकारी के अनुसार जेतपुरा में तीन घरों के शेड व दीवार गिरी हैं, यहां पर पिंकी पति सुरेश उम्र 35 साल घायल हो गई। वहीं ग्राम पाडलिया निवासी गुड्डी बाई पति रमेश उम्र 30 साल को भी चोट आई हैं। सागौर के समीप ग्राम उज्जैनी में एक ही परिवार के तीन लोगों को चोट आई हैं। अस्पताल में चंदा पति मुकेश, मुकेश पिता नानुराम व कामलीबाई पति नानुराम को परिजन लेकर आए थे।

धीरेंद्र शास्त्री के प्रवचन सुनकर रुखसाना बनी रुक्मिणी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

पटना। पंडित धीरेंद्र शास्त्री का प्रवचन सुनकर मुजफ्फरपुर की नौशिन परवीन उर्फ रुखसाना (23) अब रुक्मिणी बन गई है। उसने हिन्दू रीति रिवाज से अपने बॉयफ्रेंड के साथ शादी की। उसका बॉयफ्रेंड रोशन कुंवर (26) वैशाली का रहने वाला है। 4 साल तक दोनों में प्रेम-प्रसंग चलता रहा। धर्म परिवर्तन कर शादी करने वाली रुक्मिणी का कहना है कि वह बागेश्वर धाम वाले बाबा पंडित धीरेंद्र शास्त्री के दरबार में गई थी। बाबा का प्रवचन सुनकर ऐसी प्रेरणा मिली। उस वक्त मैं इस्लाम धर्म से थी। इसलिए मैंने डिसाइड किया कि सनातन धर्म स्वीकार करूंगी तो ही शादी करूंगी। इसके बाद वैशाली में गंडक नदी में स्नान कर रीति रिवाज के साथ हिन्दू धर्म अपना लिया। इसके बाद रोशन के साथ मंदिर में सात फेरे लिए।

जयपुर से हुई प्रेम कहानी की शुरूआत

यह प्रेम जयपुर के एक कॉलेज से शुरू हुई। जहां वैशाली लालगंज सहथा स्थित कुंवर टोला के रहने वाला रोशन कुंवर जयपुर इसी कॉलेज में पढ़ाई कर रहा था। यहां उसकी मुलाकात मुजफ्फरपुर जिले के गिजांस की रहने वाली रुखसाना अंसारी से हुई। दोनों बिहार से थे। देखते ही देखते दोनों करीब आए। 4 साल तक दोनों का अफेयर चलता रहा है। दोनों एक-दूसरे से शादी करना चाहते थे लेकिन दोनों के घरवाले तैयार नहीं थे। एक दिन दोनों बागेश्वर धाम वाले बाबा के दरबार में गए। रुखसाना प्रवचन सुनकर प्रभावित हो गई। इसके बाद उसने सनतान धर्म अपनाने के बारे में सोचा।

गंडक में डुबकी लगाई, इसके बाद मंदिर शादी की

इसके बाद पूरी रीति रिवाज के साथ उसने धर्म परिवर्तन कर लिया। रूखसाना अब रुक्मिणी बन गई। उसने गंडक नदी डुबकी लगाई। इसके बाद रोशन और रुकमणी शादी के शादी के बंधन में बंध गए। शादी कराने वाले पंडित कमलाकांत पांडे ने कहा कि यह शादी हिंदू रीति रिवाज के अनुसार की गई। लड़के और लड़की ने शादी के बंधन में बंधते वक्त एक-दूसरे से 7 वचन निभाने का वादा किया। हमलोग दोनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। वहीं शादी के दौरान दो धर्म को एक होते देखने के लिए स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। नवदंपती ने सभी आशीष लेकर वैवाहिक जीवन की शुरूआत की।

नर्मदा नदी में डूबने से तीन लोगों की मौत

जहाजपुरा घाट पर नहाने पहुंचे थे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सीहोर। सोमवार की सुबह अपने रिश्तेदार के यहां आए रायसेन जिले के तीन युवक माथनी से जहाजपुरा स्थित नर्मदा तट पर नहाने पहुंचे, तो नहाते समय गहराई में जाने से डूब गए, जब मौके पर पहुंची पुलिस को युवक नजर नहीं आए तो स्थानीय लोगों की मदद से करीब डेढ़ घंटे बाद नदी में बने एक ही गड्ढे में तीनों के शव मिले, जिन्हें पुलिस ने वाहन से रेहटी अस्पताल पीएम के लिए भेजा गया। जानकारी के अनुसार शनिवार को सौरभ नागर उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम दिवटिया, प्रियांशु नागर उम्र 19 वर्ष निवासी औबेदुल्लागंज और हर्ष नागर उम्र 19 वर्ष निवासी इटाया अपने रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होने गए थे, जो सोमवार को माथनी के दो युवकों के साथ सुबह दस बजे जहाजपुरा स्थित नर्मदा घाट पर नहाने पहुंचे थे, जहां तीनों की मौत हो गई। बताया जा रहा है जब एक युवक डूबने लगा तो उसके साथ आए दो युवक उसे बचाने लगे, लेकिन पानी में गहराई अधिक होने के कारण एक-दूसरे को बचाने में तीनों डूब गए।

MORARI BAPU

सत्य-प्रेम-करुणा...

गुरु की पादुका हम घर में रखे तो उस घरमें किसी की किसी से भी निंदा नहीं होनी चाहिए...
वरना पादुका का अपमान है। गुरु यही कहता है की पादुका रखी है तो तेरे घरमें तू निंदा तो नहीं करता?

(Ram Katha - Manas Ayodhyakand)

साभार - Chitrakutdham Talgajarda

व्यक्तित्व विशेष

उमाशंकर दीक्षित

(जन्म- 12 जनवरी, 1901 ई., उन्नाव, उत्तर प्रदेश; मृत्यु- 30 मई, 1991, नई दिल्ली) 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन' के पुरोधा एवं मानवता के पुजारी और राष्ट्रवाद के अग्रदूत थे। उन्होंने भारत में उन्नाव के नाम का गौरव बढ़ाया। उमाशंकर दीक्षित ने केंद्रीय गृहमंत्री व राज्यपाल जैसे महत्त्वपूर्ण पदों पर रहकर स्वयं के हित लाभ को त्याग कर राष्ट्र की सच्ची सेवा की और उसके लिए सदैव समर्पित रहे। तमाम व्यस्तता के बाद भी वे लोगों से परिवार की तरह मिलते थे। वे कर्नाटक और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे थे। अपनी प्रारम्भिक शिक्षा पूर्ण करने के बाद उमाशंकर दीक्षित ने उच्च शिक्षा 'क्रिस्ट चर्च कॉलेज', कानपुर से प्राप्त की थी।

संपादकीय

नदी प्रदूषण की गहरी समस्या

कई बार इंसानी आबादी वाले इलाकों में भी बिना इजाजत के संचालित रंगाई और धुलाई के ऐसे कारखानों में जिन रसायनों का प्रयोग किया जाता है, उसके जोखिम से आम लोग अनजान ही रहते हैं। जबकि ऐसे रसायनों को नालों में बहाने से होने वाले प्रदूषण के चलते स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। इसकी वजह से पीने के पानी से लेकर वायु तक प्रदूषित हो जा सकता है। दिल्ली के कई नालों में बहते हुए ये खतरनाक रासायनिक कचरे यमुना में जाते हैं, जो पहले ही कई अन्य वजहों से प्रदूषण की गहरी समस्या से जूझ रही है। नदियों के पानी की गुणवत्ता में लगातार गिरावट और उनके विषाक्त होने को लेकर लगातार जताई जाने वाली चिंता के बरक्स हालत यह है कि यमुना और गंगा जैसी नदियों का पानी भी कई जगहों पर उपयोग के लायक नहीं रह गया है। जबकि इन नदियों को प्रदूषण से बचाने के लिए कई योजनाएं बनाई गईं और अकूत धन खर्च किए गए। मगर हकीकत सब जानते हैं कि इन नदियों की दशा क्या है। विडंबना यह है कि नदियों के लगातार प्रदूषित होते जाने को लेकर चिंता तो जताई जाती है, मगर उसके मूल कारकों पर गौर करने और उन पर रोक लगाने को लेकर वादों और घोषणाओं से आगे बात नहीं बढ़ पाती। घरों से लेकर कारखानों तक से निकलने वाला पानी कई बार खतरनाक रसायनों से घुला होता है और वह नालों से चलते हुए नदी में मिल कर प्रदूषण और पर्यावरण की एक जटिल तस्वीर बनाता है। इस तरह के कारणों पर लंबे समय से नजर रहने के बावजूद नदियों को प्रदूषित करने वाले इस कारक की अनदेखी की गई। यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि दिल्ली में कपड़ों की रंगाई करने वाले अवैध कारखानों की वजह से भी यमुना के जीवन को किस स्तर का नुकसान हो रहा है। लेकिन कई बार इस ओर ध्यान जाने के बावजूद ऐसे अवैध कारखानों पर रोक लगाने की ठोस पहल नहीं हुई। अब राष्ट्रीय हरित अधिकरण यानी एनजीटी ने उच्चतम न्यायालय की ओर से नियुक्त निगरानी समिति, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (जीपीसीसी) को राष्ट्रीय राजधानी में रंगाई के अवैध कारखानों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। यों जिन इलाकों में इस तरह की अवैध रंगाई इकाइयां संचालित करने की शिकायतें आई थीं, वहां लंबे समय से ऐसा चल रहा था। हैरानी की बात यह है कि संबंधित महकमों की ओर से किसी भी इलाके में हर गतिविधि की निगरानी करने के दावों के बावजूद ऐसी शिकायतें अक्सर आती रहती हैं। एनजीटी ने जिस मामले में कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, उसमें दावा किया गया है कि दिल्ली के बिंदापुर, मटियाला, रणहौला, ख्याला, मीठापुर, बदरपुर, मुकुंदपुर और किरार इलाकों में बिना अनुमति के रंगाई कारखाने चलाए जा रहे हैं।

अर्ज किया है..!

कदम मिला कर चलना होगा
बाधाएं आती हैं आएं
घिरें प्रलय की घोर घटाएं,
पावों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएं,
निज हाथों में हंसते-हंसते,
आग लगाकर जलना होगा।
कदम मिलाकर चलना होगा।

-अटल बिहारी वाजपेयी

Health is Wealth

कब्ज की समस्या से छुटकारा पाने के लिए रोजाना करें ये 3 योगासन

कुछ ही दिन में महसूस करेंगे फर्क

डाइट में फाइबर और पोषण की कमी, पानी का कम सेवन, लगातार बैठकर काम करने और खाने से अक्सर व्यक्ति को कब्ज की समस्या होने लगती है। कब्ज की शिकायत होने पर व्यक्ति को न सिर्फ पेट से जुड़े रोग बल्कि सिरदर्द, मुंह में छाले और स्किन रैशेज, मुंहासे आदि जैसी समस्याएं भी परेशान करने लगती हैं। अगर आपको भी कब्ज की शिकायत बनी रहती है तो आप अपने रुटिन में ये 3 योगासन शामिल कर सकते हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में।

कब्ज की शिकायत दूर करते हैं ये 3 योगासन

● पवनमुक्तासन

पवनमुक्तासन का नियमित अभ्यास करने से पेट और पाचन अंगों की मालिश होती है। जिससे गैस और कब्ज की समस्या से राहत मिलती है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं। अब सांस छोड़ते हुए अपने दोनों घुटनों को मोड़ें और जांघों को छाती की तरफ लाएं।

घुटनों के ठीक नीचे दोनों हाथों की उंगलियों को एक दूसरे के साथ पकड़ें और गहरी सांस लें। अब सांस को छोड़ते हुए सिर और कंधों को ऊपर उठाने की कोशिश करें और अपने घुटनों के बीच की जगह पर अपनी नाक लगाने की कोशिश करें। कुछ देर इसी अवस्था में बने रहें। अब धीरे-धीरे सिर, कंधों और पैरों को वापस अपनी मुद्रा में ले आएं।

● हलासन

हलासन करने से व्यक्ति की पाचन से जुड़ी समस्याएं दूर होने के साथ गैस की समस्या भी दूर होती है। इस आसन को करने से मल त्याग की प्रक्रिया आसान बनने के साथ कब्ज से छुटकारा मिलता है। हलासन करने के लिए सबसे पहले हथेलियों को फर्श से लगाते हुए पीठ के बल लेटते हुए गहरी सांस भरे सांस छोड़ते हुए हथेलियों को फर्श पर टिकाते हुए पैरों को ऊपर की ओर उठाएं। ऐसा करते हुए शरीर को सहारा देने के लिए हाथों को पीठ के नीचे रखकर बैलेंस बनाते हुए घुटनों को मोड़ लें। अब धीरे-धीरे पैरों से सिर के पीछे फर्श को छूने की कोशिश करें। ऐसा करते हुए धीरे-धीरे सांस लेते हुए कुछ देर इसी मुद्रा में बने रहें। इस आसन से बाहर आने के लिए, धीरे-धीरे हाथों को पीठ से हटाते हुए पैरों को फर्श पर रखें।

● पदोत्तानासन

पदोत्तानासन करने से पेट की चर्बी दूर होने के साथ कब्ज से छुटकारा, मजबूत मसल्स, गैस की समस्या, तनाव से राहत मिलती है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेटकर अपने हाथों को किनारे पर रखते हुए पैरों को आपस में मिला लें। अब पैरों को 30 डिग्री तक ऊपर उठाते हुए सांस लें और रोकें। इसी मुद्रा में 10 सेकंड तक बने रहें। इसके बाद पहली मुद्रा में वापस आ जाएं।

Highlights

1. Congress' only MP from Maharashtra Balubhau Dhanorkar dies at 48
2. IAS officer shares 2 suggestions for UPSC aspirants, says 'Have a Plan B for sure'
3. Ran 2 miles, did 100 pull-ups, 200 push-ups, 300 squats in 40 mins: Zuckerberg
4. Man extradited to Thailand for killing Indian-origin gangster
5. N Korea to launch its first military spy satellite in June
6. ChatGPT makes spelling error, apologises after user points it out

Is the new Rs. 75 coin meant for circulation? How to acquire it?

NEW DEIHI, (Agency). Prime Minister Narendra Modi on Sunday released Rs. 75 coin to commemorate the inauguration of 'Naya Sansad Bhawan' - the new Parliament building. The Department of Economic Affairs has said that the coin weighs about 34.65-35.35 grams.

The coin features the image of the Lion Capital of the Ashoka Pillar at its center, with the words 'Bharat' in Devanagari script and 'INDIA' in English on the left and right sides. Below the Lion Capital, the coin includes the rupee symbol '₹' and the denomination value '75' in international numerals. On the other side of the coin, the image of the Parliament Complex is depicted, accompanied by the year '2023' in international numerals below the image.

Watch | Light, laser show at new Parliament building following inauguration

Is this coin meant for circulation?

This Rs. 75 coin was released as part of the 'commemorative coins' category, which the government typically releases to pay homage to notable personalities, raise awareness about government schemes, or commemorate significant historical events. Therefore, it is not intended for circulation as regular denominations in the market. The Indian government has launched more than 150 such commemorative coins since 1964.

How to buy Rs. 75 coin?

Just visit the website www.indiagovtmint.in, where you can find detailed information about 'commemorative coins'. You will also have the opportunity to browse and purchase these coins by adding them to your cart, similar to online shopping. The Rs. 75 coin can be bought from the same website. However, if you plan to purchase more than ten coins, you will be required to provide a PAN card.

Words to images : Blurring boundaries between real memories and AI creations

NEW DEIHI, (Agency). Images of Donald Trump being arrested. Pope Francis wearing a stylish white puffer jacket. Elon Musk's robot wife. A supposed explosion near the Pentagon. Computer engineers working on a highway. An ageing Ryan Gosling. All images that have floated around social media, at different points of time. None were real, but they looked nothing less. The world just isn't prepared, for this level of realism artificially generated (AI) images are capable of.

It is more important than ever, to distinguish between an image and a photo. "Photo of Donald Trump being arrested" – that is all it took to punch into the Midjourney AI image generator tool. And voila. It is human tendency to accept a visual message, more easily.

"We know from research that the human brain processes visual information about 60,000 times faster than text, making visual tools a critical way people search, create and gain understanding," said Yusuf Mehdi, who is Corporate Vice President and Consumer Chief Marketing Officer at Microsoft.

This, in an era when AI tools are still evolving.

Manipur

मणिपुर हिंसाः बदमाश हुए बेखौफ, सेना से ही हथियार और बारूद छीनने की कोशिश, जवानों पर हमलों को दे रहे अंजाम

मणिपुर, (एजेंसी) मणिपुर में हालात सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। जब लगता है कि माहौल में शांति आ रही है, तभी एक और डरावनी रिपोर्ट सामने आ जाती है। अब खबर आ रही है कि हिंसा वाले राज्य में बदमाशों बैखोफ हो गए हैं। वह हथियार और गोला-बारूद प्राप्त करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। हिंसक तत्व सेना को भी अपना निशाना बना रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, 27 और 28 मई की रात को एक बार फिर हिंसा भड़कने के बाद बदमाश सक्रिय हो गए है। तब से लोग इंफाल में सुरक्षा प्रतिष्ठानों से हथियार कब्जाने में लगे हुए है। इसी क्रम में, सोमवार को करीब 100 से अधिक लोग इंफाल पूर्व में 7वीं बटालियन मणिपुर राइफल्स के गेट पर एकत्र हुए। हालांकि, सेना ने इन लोगों को तितर-बितर कर दिया। वहीं, पोरोमपत पुलिस थाने में भी बड़ी संख्या में लोग जमा हुए और हथियार लेने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आंसू गैस के गोले छोड़े, जिससे ये भीड़ नाकाम रही। इतना ही नहीं, हिंसा के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने कई जगहों से हथियार भी बरामद किए हैं। साथ ही, इंफाल वेस्ट के इंगोरोक चिंगमंग में सोमवार दोपहर को भी गोलीबारी हुई, जो देर शाम तक जारी रही। रिपोर्ट के अनुसार, सेना के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि कई हथियारबंद बदमाश इंफाल पूर्वी जिले के सनसाबी, ग्वालताबी और शाबुनखोल में घरों को जलाने के लिए जा रहे हैं।

New Delhi

सावधान! दिल्ली में आज भी आएगा आंधी-तूफान, DDMA ने मैसेज भेजकर किया अलर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी) देश की राजधानी दिल्ली के मौसम में पिछले कई दिनों से नरमी बनी हुई है. कभी तेज हवाएं तो कभी बारिश दिल्ली के मौसम को सुहावना बनाए हुए हैं. यूं तो मई का महीना चिलचिलाती गर्मी के लिए माना जाता है लेकिन इस बार मौसम का मिजाज बदला हुआ है. दिल्ली के कई स्थानों पर आज (मंगलवार), 30 मई को भी तेज़ हवाओं के साथ हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है.

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण समय-समय पर मैसेज के जरिए दिल्लीवासियों को मौसम की जानकारी देने के साथ अलर्ट जारी करता है. DDMA ने आज भी मैसेज के जरिए बताया कि दिल्ली के कई स्थानों पर तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) के साथ हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है. वहीं, मौसम विभाग ने भी आज और कल (30-31 मई) के लिए आंधी के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है. आईएमडी के मुताबिक, आज न्यूनतम तापमान गिरकर 19 डिग्री और अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस पर आ सकता है. कल (बुधवार) तापमान में थोड़ी बढ़त देखी जा सकती है. 31 मई को न्यूनतम तापमान 21 और अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस हो सकता है. जून के शुरुआती दिनों में भी मौसम में नरमी बनी रहने के आसार हैं. जून तक नई दिल्ली में अधिकतम तापमान 40 डिग्री के नीचे दर्ज किया जाएगा. बता दें कि पंजाब और हरियाणा में चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बनने और हिमालय में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव होने की वजह से दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में फिलहाल लू चलने की संभावना नहीं है. गरज के साथ बारिश और बूंदाबांदी तापमान को नियंत्रित किए हुए है.

Uttarpradesh

फेरे और फिर बवाल... विदाई के बाद बीच रास्ते से दुल्हन को लेकर ससुराल वापस लौटा दूल्हा, टूट गई शादी

आजमगढ़, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. शादी के बाद दूल्हा अपनी दुल्हन को विदा कराकर अपने घर ले जा रहा था. मगर, वह बीच रास्ते से वापस ससुराल लौट आया. दरअसल, दूल्हे को शादी में सोने की अंगूठी, चेन नहीं मिली थी.

इस वजह से वह काफी नाराज था. इसके बाद ससुराल वालों से उसका विवाद शुरू हो गया. ससुराल वापस पहुंचने पर दूल्हा रिश्ते को खत्म करने के एवज में सारे खर्च की डिमांड करने लगा. इसके बाद दुल्हन पक्ष ने दहेज में दिया सारा सामान रखाकर दूल्हे और उसके पिता को बंधक बना लिया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की. यह घटना पूरे गांव में चर्चा का विषय बनी हुई है. बताया जा रहा है कि जीयनपुर कोतवाली के आलमपुर गांव में रौनापार थाना क्षेत्र के तुरकवली गांव से बारात आई थी. बारात लगभग 9 बजे आलमपुर पहुंची और धूमधाम से द्वार पूजा के बाद बारातियों का स्वागत किया गया.

Jammu & Kashmir

अमृतसर से कटरा जा रही बस गहरी खाई में गिरी, कम-से-कम 10 की मौत

जम्मू, (एजेंसी) जम्मू-कश्मीर में एक भीषण हादसा हो गया। अमृतसर से कटरा जा रही बास गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हो गए हैं। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जम्मू डीसी ने यह जानकारी दी है। अभी यह नहीं पता चल पाया है कि कितने लोग घायल हुए हैं। राहत और बचाव का काम चल रहा है। जानकारी के मुताबिक जम्मू जिले के झज्जर कोटली इलाके में बस एक पुल से गिर गई। यह जगह जम्मू से लगभग 35 किलोमीटर और कटरा से लगभग 15 किलोमीटर दूर है। दुर्घटना के बाद का वीडियो भी सामने आया है। अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई थी कि इस बस में क्या माता वैष्णो देवी जा रहे श्रद्धालु सवार थे? हालांकि बस की स्थिति देखकर लगता है कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। दुर्घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोग भी पहुंचे और लोगों को निकालने का काम शुरू किया।

खेल

धोनी की टीम पांचवीं बार बनी चैंपियन

चेन्नई ने गुजरात से छीना खिताब, जडेजा-रायुडू बने हीरो

अहमदाबाद। चेन्नई सुपर किंग्स की टीम पांचवीं बार चैंपियन बन गई है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 214 रन बनाए। इसके बाद बारिश ने खलल डाला और ढाई घंटे का खेल खराब किया। 12.10 पर मैच दोबारा शुरू हुआ। डकवर्थ लुईस नियम के तहत चेन्नई को 15 ओवर में 171 रन का लक्ष्य मिला। इस जीत के साथ चेन्नई के मुंबई के सबसे ज्यादा पांच बार खिताब जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। गुजरात की ओर से साई सुदर्शन ने शानदार पारी खेली। वह शतक से चूक गए और 47 गेंदों में आठ चौके और छह छक्के की मदद से 96 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद चेन्नई के लिए डेवोन कॉनवे ने 25 गेंदों में सबसे ज्यादा 47 रन बनाए।

आखिरी तीन ओवर में चेन्नई को जीत के लिए 38 रन चाहिए थे। 13वें ओवर में मोहित शर्मा गेंदबादी के लिए आए। तब अंबाती रायुडू और शिवम दुबे क्रीज पर थे। पहली तीन गेंद पर अपना आखिरी मैच खेल रहे अंबाती रायुडू ने दो छक्के और एक चौका लगाया। चौथी गेंद पर वह आउट हो गए। इस दौरान उन्होंने दो छक्के और एक चौका लगाया। हालांकि, उन्होंने मैच चेन्नई के पक्ष में मोड़ दिया। अगली ही गेंद पर धोनी बिना खाता खोले आउट हो गए। इस ओवर में 17 रन बने। 14वें ओवर में मोहम्मद शमी के ओवर में आठ रन बने। आखिरी ओवर में सीएसके को जीत के लिए 13 रन चाहिए थे। पहली चार गेंदों पर तीन रन आए। इसके बाद आखिरी दो गेंदों पर सीएसके को 10 रन चाहिए थे। स्ट्राइक पर रवींद्र जडेजा थे। पांचवीं गेंद पर जडेजा ने छक्का लगाया। आखिरी गेंद जडेजा ने चौका लगाकर चेन्नई को जीत दिलाई।

गुजरात टाइटंस ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 214 रन बनाए। यह आईपीएल फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इससे पहले 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद ने 2016 आईपीएल फाइनल में 20 ओवर में सात विकेट पर 208 रन बनाए थे।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात की शुरुआत शानदार रही थी। ऋद्धिमान साहा और शुभमन गिल ने पहले विकेट के लिए 67 रन जोड़े। शुभमन को सातवें ओवर में रवींद्र जडेजा की गेंद पर महेंद्र सिंह धोनी ने स्टंप किया। वह 20 गेंदों में 39 रन बना सके। इसमें सात चौके शामिल हैं। इसके बाद ऋद्धिमान साहा और साई सुदर्शन ने दूसरे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी निभाई। इस बीच साहा ने अर्धशतक पूरा किया। उन्हें दीपक चाहर ने धोनी के हाथों कैच कराया। साहा 39 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद सुदर्शन और कप्तान हार्दिक ने तीसरे विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी निभाई।

सिनेमा

'केरल स्टोरी' के बाद अब फिल्म 'वीर सावरकर' पर विवाद, भगत सिंह-बोस को प्रेरित बताने पर भड़कीं एक्ट्रेस

फिल्मों को लेकर विवाद खत्म होता नहीं दिख रहा है। हाल ही में जब 'द केरल स्टोरी' रिलीज हुई तो कई जगह इसका विरोध देखा गया। मामला कोर्ट तक भी पहुंचा। रविवार को रणदीप हुड्डा स्टारर फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' का टीजर आया। यह वीर सावरकर की बायोपिक है। फिल्म में रणदीप हुड्डा ने लीड रोल किया है। उन्होंने इसे डायरेक्ट भी किया है। टीजर के बीच-बीच में कई टैगलाइन दिखाई गई है जिसमें दावा किया गया है कि सावरकर ने भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस और खुदीराम बोस जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरित किया था। इसी को लेकर एक्ट्रेस स्वास्तिका मुखर्जी ने रणदीप हुड्डा को लताड़ लगाई है। स्वास्तिका ने कहा कि इस तरह की चीजें दिखाकर फिल्म को बेचने के खिलाफ हैं। ट्विटर पर स्वास्तिका लिखती हैं, 'खुदीराम बोस का 18 साल की उम्र में निधन हो गया था। उससे पहले ही किसी ने उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित किया था? और नेताजी इसलिए नेताजी बन गए क्योंकि वह किसी से प्रेरित थे? और भगत सिंह का इतिहास हम सभी पहले से ही जानते हैं। ये प्रेरित कहानियां दुनिया के किस कोने से आ रही हैं?' स्वास्तिका एक अन्य ट्वीट में लिखती हैं, 'मुझे नहीं लगता कि कोई भी हमारे स्वतंत्रता सेनानियों या हमारे देश के लिए लड़ने वालों का अपमान करना चाहता है।

दो पक्षों में विवाद, 8 घायल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सांवेर थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच हुए विवाद में खूनी संघर्ष हो गया और दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर तलवार, ल_ और टामी से हमला कर दिया। इस खूनी संघष में एक पक्ष के पांच और दूसरे पक्ष के तीन लोग घायल हुए हैं। मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार विवाद ग्राम रिंगनोदिया में सोमवार को हुआ। एक पक्ष के विशाल पिता नंदकिशोर की रिपोर्ट पर भूरा, बिंदु, अर्जुन, मुकेश, हरिराम, सत्यनारायण और विजय के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों द्वारा किए गए हमले में विशाल, नंदकिशोर, और विनोद घायल हुए हैं। फरियादी ने बताया कि आरोपीगणो द्वारा थाना थाने पर 22 मई को अंशुल के साथ भूरा, बिन्दु, अर्जुन, व विजय के द्वारा मारपीट की रिपोर्ट लिखवाने की बात को लेकर मजरूह-विशाल व उसके पिता नन्दकिशोर व काका विनोद के साथ गाली गुप्ता कर भूरा पिता चंपालाल कुमावत लठ्ठ लेकर बिन्दु पिता चंपालाल कुमवात लठ्ठ लेकर अर्जुन पिता प्रकाश तलवार लेकर मुकेश पिता चंपालाल लठ्ठ, हरिओम पिता मुकेश टॉमी लेकर सत्यनारायण पिता मामराज तलवार, तथा विजय पिता मामराज लठ्ठ लेकर आये व तीनो को घेर लिया तथा जान से मारने कि नियत से मारपीट कर चोट पहुचायी तथा जान से खत्म कर देने की धमकी दी ।

इसी प्रकार दूसरे पक्ष की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट पर नंदकिशोर, विनोद, अंशुल, विशाल और सुरेश के खिलाफ केस दर्ज किया गया । आरोपियों के हमले में अर्जुन पिता प्रकाश निवासी ग्राम रिगनोदिया तह.सांवेर, सत्यनारायण, प्रहलाद, सतीष और मुकेश घायल हो गए। पुलिस के अनुसार आरोपियों द्वारा मजरूह की कार पर पत्थर मार कर कार रुकवाई व गालिया देने लगे व नन्दकिशोर अपने हाथ मे तलवार लेकर,विनोद कुल्हाडी लेकर,अंशुल तलवार लेकर,विशाल फालिया लेकर तथा सुरेश टामी लेकर आये व मजरूह-अर्जुन, सत्यनारायण,प्रहलाद सतीश,मुकेश के मारपीट कर चोट पहुचाई तथा जान से खत्म कर देने की धमकी दी । दोनों पक्ष ग्राम रिंगनोदिया के रहने वाले हैं। विवाद की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति संभाली और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहीं मामले में आगे की जांच की जाकर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

घर से गुम हुए 4 वर्षीय मासूम को, पुलिस ने चंद घंटों में ढूंढ निकाला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। आजाद नगर इलाके में चार साल का बालक घर से लापता हो गया। परिजनों ने तलाश किया, लेकिन वह नहीं मिला। इस पर पुलिस के पास पहुंचे और सूचना दी। पुलिस टीम ने कड़ी मेहनत कर आखिरकार मासूम बच्चे को ढूंढ निकाला और परिजनों के हवाले किया।

सोमवार की रात करीब 8 बजे, दुर्गा नगर पालदा में रहने वाले 4 वर्षीय बालक के गुमने की सूचना उसकी मां द्वारा दी गई। सूचना प्राप्त होते ही थाना प्रभारी आजाद नगर द्वारा तत्काल बच्चे का पूरा हुलिया, पहने हुए कपड़े की जानकारी सोशल मीडिया एवं थाने के ग्रुप पर शेयर कर थाने की के सभी स्टाफ को दी गई और टीमों को इसकी तलाश हेतु लगाया गया। बालक के घर के आसपास के सीसीटीवी कैमरे चेक करने पर बालक मेन रोड तरफ जाता दिखा जो आसपास के लोगों को बच्चे के फोटो भेजे गए।

इस दौरान जानकारी मिली कि आरटीओ रोड पर शुभ सिटी के पास इस प्रकार के कपड़े पहने एक छोटा बच्चा देखा गया है तब बीट के आरक्षक रूपम व डूंगर सिंह द्वारा जाकर बच्चे को तलाश कर ढूंढ निकाला। पुलिस ने उक्त मासूम बच्चे को थाने पर लाकर उसकी मां के सुपुर्द किया । बच्चे के सकुशल मिलने पर उसके परिजनों द्वारा पुलिस टीम की त्वरित कार्यवाही की काफी सराहना की और पूरी पुलिस टीम को दिया दिल से धन्यवाद ।

मजदूर की संदिग्ध मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। खुड़ैल इलाके में मजदूर की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। साथियों का कहना है वह शेड बना रहा था तभी किसी कीड़े ने उसे काट लिया था। मृतक का नाम लखन पिता उदय सिंह निवासी कूपडी थाना खुडैल है। उसका परिचित जयपाल उसे इलाज के लिए एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचा था । जहां लखन को मृत घोषित कर दिया गया। उसे किस कीड़े ने काटा है यह फिलहाल यह पता नहीं चल सका है । पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट में ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

चरस और ब्राउन शुगर के साथ पकड़ाए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने दो अलग-अलग मामलों में तीन आरोपियों को चरस और ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों से जब्त ब्राउन शुगर और चरस की की कीमत करीब दो लाख रुपए बताई गई है।

क्राइम ब्रांच टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि संवाद नगर दरगाह के पास कुछ संदिग्ध चरस की तस्करी करने वाले हैं। टीम ने संयोगितागंज पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए स्पाट पर घेराबंदी कर मोहसिन पठान उर्फ कल्ली,ब बई बाजार तथा मो.अली, माणिकबाग को पकड़ा। इनकी तलाशी ली तो इनके पास से 350 ग्राम चरस बरामद हुई। इसकी कीमत करीब 90 हजार रुपए बताई गई है। आरोपियों के खिलाफ संयोगितागंज पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर गिर तार कर लिया है।

इसी प्रकार परदेशीपुरा इलाके से 11 ग्राम ब्राउन शुगर सहित आरोपी को बंदी बनाया है। इसकी कीमत 1.10 लाख रुपए बताई गई है। क्राइम ब्रांच टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि परदेशीपुरा क्षेत्र में एक संदिग्ध ब्राउन शुगर की तस्करी करने की फिराक में घूम रहा है। टीम ने परदेशीपुरा पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए उमेश उर्फ ओम बिजवा,भागीरथपुरा, मूल निवास सोनकच्छ को पकड़ा। उसकी तलाशी में उसके पास से 11 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई।

रंजिश के चलते मां-बेटे से मारपीट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। युवक और उसकी मौ के साथ रंजिश के चलते कुछ लोगों ने बुरी तरह मारपीट कर दी। घटना चंदननगर के चांदी मारी का भट्टा इलाके की है। सन्नी पिता लक्ष्मण अहिरवार निवासी चांदमारी ईंट भट्टा की शिकायत पर पुलिस ने अनिल, रोहित और मोहित के खिलाफ केस दर्ज किया है। सन्नी ने पुलिस को बताया कि पुराने विवाद को लेकर आरोपी गाली-गलौज करने लगे। उसने विरोध किया तो आरोपियों ने आरोपियों ने मारपीट कर दी। घर से ही तवा उठाकर सिर पर दे मारा, जिससे उसके पर चोट लगकर खून निकलने लगा। उसे बचाने के लिए मां निर्मला आई तो आरोपियों ने उनके साथ में भी मारपीट कर दी। उन्हें धक्का देकर गिरा दिया जिससे उनको भी चोट आई।

युवती का पीछाकर छेड़छाड़

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदैर। एरोड्रम इलाके में युवती का पीछाकर छेड़छाड़ करने वाले एक युवक के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है।घटना 19 वर्षीय पीड़िता के साथ हुई। उसकी शिकायत पर आरोपी देवेन्द्र रायकवार निवासी अर्चना नगर के खिलाफ केस दर्ज किया गया। उसने बताया कि रविवार की दोपहर वह स्टेशनरी की दुकान पर पहुंची तो आरोपी ने बुरी नीयत से उसका पीछा किया और छेड़छाड़ की। जब आरोपी से पूछा कि तुम पीछा क्यों कर रहे हो तो वह बोला कि मैं तो अपने काम से जा रहा हूं। जैसे ही शोर मचाया तो आसपास के लोग एकत्र हो गए। इस पर आरोपी वहां से भाग गया। युवती ने बताया कि आरोपी पूर्व में भी कई बार उसका पीछा करता था।

कर्मचारी ही कर रहे थे दुकान में चोरी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। रावजी बाजार इलाके में स्थित एक दुकान में यहां काम करने वाले कर्मचारी ही चोरी कर रहे थे। रात में अचानक अचानक दुकान पर पहुंचे तो इसका पता चला। तीनों कर्मचारियों को पुलिस के हवाले किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी गोलू चौहान,परदेशीपुरा, राहुल, न्यू प्रिंस नगर बाणगंगा, जुबैर मोती तबेला है। नार्थ हरसिद्धी मेन रोड पर अली असगर की कपड़े के बैग बनाने की दुकान है। वे अपने दोस्त के साथ अचानक रात को दुकान देखने पहुंचे तो पाया कि उनके कर्मचारी ही दुकान का सामान चोरी कर ले जा रहे हैं। इसके बाद इन तीनों को पुलिस के हवाले किया। पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है। इनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैंनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT
समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्र ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।